इतिहास विभाग, राजकीय महाविद्यालय पाटी

विभागीय कार्य योजना (सत्र 2022-23)

विभागाध्यक्ष: डॉ प्रवीण पांडे

प्रस्तावना

राजकीय महाविद्यालय पाटी का इतिहास विभाग स्नातक (UG) स्तर पर छात्रों को इतिहास की शिक्षा प्रदान करता है। पिछले शैक्षणिक सत्र 2021-22 की सफलताओं और चुनौतियों से प्राप्त अनुभव के आधार पर, शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए यह विभागीय कार्य योजना तैयार की गई है। इसमें शैक्षणिक, अनुसंधान, सह-शैक्षणिक और विस्तार गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है, जो छात्रों के समग्र विकास और विभाग की उन्नति को सुनिश्चित करेगा।

1. शैक्षणिक कार्य योजना

1.1 पाठ्यक्रम कार्यान्वयन

- नवीन पाठ्यक्रम अपडेशन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम में आवश्यक परिवर्तनों का प्रस्ताव।

- कौशल आधारित पाठ्यक्रम समावेश: ऐतिहासिक अनुसंधान, पुरालेख प्रबंधन और डिजिटल इतिहास पर विशेष मॉड्यूल।

- प्रतिसेमेस्टर पाठ्यक्रम विभाजन: 16-सप्ताह का विस्तृत पाठ्यक्रम विभाजन और कार्य योजना।

- शिक्षण पद्धति:

  * समस्या-आधारित शिक्षण पद्धति का समावेश

  * प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण

  * फ्लिप्ड क्लासरूम अवधारणा का प्रयोग

  * प्राचीन स्रोतों का डिजिटल विश्लेषण

* हाइब्रिड शिक्षण मॉडल (ऑनलाइन और ऑफलाइन)

1.2 मूल्यांकन प्रणाली

- सतत मूल्यांकन (40%):
  * केस स्टडी/फील्ड रिपोर्ट (10 अंक)
  * सेमिनार/प्रस्तुतीकरण (10 अंक)
  * अनुसंधान परियोजना (10 अंक)
  * आंतरिक परीक्षा (10 अंक)
- सेमेस्टर परीक्षा (60%)
- ओपन बुक परीक्षा और विश्लेषणात्मक प्रश्नों पर अधिक बल

1.3 डिजिटल शिक्षण संसाधन

- विभागीय ई-लर्निंग पोर्टल का विकास और उन्नयन
- मूक्स (MOOCs) और स्वयं (SWAYAM) प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण
- विषय-विशेषज्ञों के ऑनलाइन व्याख्यानों का आयोजन और रिकॉर्डिंग
- इतिहास शिक्षण के लिए वर्चुअल रियलिटी (VR) अनुभव का प्रयोग

2. अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

2.1 प्रमुख अनुसंधान पहल

- “भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में स्थानीय योगदान” पर अंतर-विभागीय शोध परियोजना
- “आजादी का अमृत महोत्सव” के अंतर्गत स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों का दस्तावेजीकरण
- स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों का डिजिटल मैपिंग प्रोजेक्ट

2.2 छात्र अनुसंधान कार्यक्रम

- अंडरग्रेजुएट रिसर्च इनिशिएटिव (URI) की शुरुआत

- इतिहास शोध पत्रिका का प्रकाशन (छात्र-संचालित)

- मौखिक इतिहास संग्रह परियोजना: “वरिष्ठ नागरिकों की स्मृतियों में स्वतंत्रता”

2.3 संगोष्ठी, सम्मेलन और कार्यशालाएं

- दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी: “भारतीय इतिहास में स्त्री-विमर्श: नए दृष्टिकोण”

- “इतिहास अनुसंधान में नवीन तकनीकें” पर कार्यशाला

- विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला: “समकालीन विश्व में इतिहास की प्रासंगिकता”

- अंतर-महाविद्यालयी इतिहास क्विज प्रतियोगिता

3. सह-शैक्षणिक गतिविधियां

3.1 इतिहास सोसायटी

- इतिहास सोसायटी का पुनर्गठन और नियमित बैठकें (मासिक)

- ऐतिहासिक फिल्म क्लब और चलचित्र समीक्षा कार्यक्रम

- “इतिहास के झरोखे से” वार्षिक प्रदर्शनी

- अंतर-महाविद्यालयी ऐतिहासिक प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिताएं

3.2 शैक्षणिक भ्रमण और फील्डवर्क

- राज्य पुरातत्व संग्रहालय का शैक्षणिक भ्रमण

- ऐतिहासिक महत्व के प्राचीन स्थलों का फील्ड सर्वे

- “इतिहास यात्रा”: प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण

- स्थानीय अभिलेखागार में शोध प्रशिक्षण

3.3 ऐतिहासिक दिवस समारोह

- विश्व इतिहास दिवस (3 अगस्त)

- संविधान दिवस (26 नवंबर)

- विश्व धरोहर दिवस (18 अप्रैल)

- महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तित्वों की जयंती और पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम

4. विस्तार गतिविधियां

4.1 सामुदायिक जुड़ाव

- “इतिहास गाँव-गाँव”: ग्रामीण क्षेत्रों में इतिहास जागरूकता अभियान

- माध्यमिक विद्यालयों के साथ “इतिहास मेंटर” कार्यक्रम

- वरिष्ठ नागरिकों से संवाद: “अतीत की कहानियाँ” आयोजन 4.2 विरासत संरक्षण

- स्थानीय धरोहर संरक्षण के लिए “हमारी विरासत” अभियान

- “अपना इतिहास बचाओ” जागरूकता यात्रा

- सामुदायिक संग्रहालय स्थापना प्रस्ताव तैयारी

4.3 डिजिटल आउटरीच

- विभागीय वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रेजेंस का विकास

- “जानिए अपना इतिहास” पॉडकास्ट सीरीज़

- ऐतिहासिक महत्व के स्थानीय स्थलों की इंटरैक्टिव डिजिटल मैपिंग

5. विभागीय विकास योजना

5.1 संसाधन विकास

- इतिहास संसाधन केंद्र का उन्नयन

- पुरालेख डिजिटाइजेशन परियोजना

- प्राचीन पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों का संरक्षण

- इतिहास अध्ययन के लिए स्मार्ट कक्षा का विकास

5.2 छात्र विकास कार्यक्रम

- इतिहास स्नातकों के लिए करियर मार्गदर्शन सेल

- सिविल सेवा, नेट/स्लेट परीक्षाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण

- छात्र मेंटरशिप प्रोग्राम

- इतिहास में उच्च अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति मार्गदर्शन

5.3 संकाय विकास

- शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर और ओरिएंटेशन कोर्स

- डिजिटल शिक्षण तकनीकों पर प्रशिक्षण

- अनुसंधान प्रकाशन में वृद्धि के लिए कार्यशालाएं

- इतिहास शिक्षण में नवाचार पर विशेष प्रशिक्षण

6. समय-सारिणी और कार्यान्वयन

6.1 त्रैमासिक कार्य योजना

प्रथम त्रैमासिक (जुलाई-सितंबर 2022)**

- शैक्षणिक सत्र प्रारंभ और ओरिएंटेशन कार्यक्रम

- पाठ्यक्रम विभाजन और शिक्षण योजना

- इतिहास सोसायटी का पुनर्गठन

- स्थानीय ऐतिहासिक स्थल का प्रारंभिक भ्रमण

- विश्व इतिहास दिवस समारोह

द्वितीय त्रैमासिक (अक्टूबर-दिसंबर 2022)**

- प्रथम आंतरिक मूल्यांकन

- राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

- संविधान दिवस समारोह

- “इतिहास के झरोखे से” प्रदर्शनी

- शीतकालीन अवकाश परियोजनाएं

तृतीय त्रैमासिक (जनवरी-मार्च 2023)

- नव वर्ष सेमिनार श्रृंखला

- राज्य संग्रहालय शैक्षणिक भ्रमण

- द्वितीय आंतरिक मूल्यांकन

- अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं

चतुर्थ त्रैमासिक (अप्रैल-जून 2023)

- विश्व धरोहर दिवस समारोह

- “इतिहास यात्रा” वार्षिक भ्रमण

- सेमेस्टर परीक्षाएं

- ग्रीष्मकालीन शोध परियोजनाएं

- वार्षिक समीक्षा और अगले सत्र की योजना तैयारी

6.2 निगरानी और मूल्यांकन

- मासिक विभागीय बैठकें और प्रगति समीक्षा

- त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट

- छात्र प्रतिक्रिया प्रणाली

- वार्षिक उपलब्धि समीक्षा और भविष्य योजना

7. अपेक्षित परिणाम

- छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में 15% की वृद्धि

- अनुसंधान उत्पादकता में 20% की वृद्धि

- 90% से अधिक छात्र संतुष्टि दर
- कम से कम 2 प्रमुख शोध परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन
- छात्रों में रोजगार क्षमता और उच्च शिक्षा प्रवेश दर में वृद्धि
- विभाग की राष्ट्रीय पहचान में सुधार
- सामुदायिक संबंधों का सुदृढ़ीकरण
- स्थानीय इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता में वृद्धि

- राज्य उच्च शिक्षा विभाग
- भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद (ICHR)
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)
- राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन
- स्थानीय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) फंड
- पूर्व छात्र योगदान
- राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी

10. चुनौतियां और रणनीतियां

10.1 संभावित चुनौतियां

- संसाधनों की कमी
- छात्रों की रुचि और भागीदारी स्तर
- डिजिटल अंतर और तकनीकी चुनौतियां

- अनुसंधान निधि की सीमाएँ

10.2 समाधान रणनीतियां

- बहु-स्रोत वित्त पोषण के लिए प्रस्ताव

- अभिनव और इंटरैक्टिव शिक्षण विधियों का उपयोग

- क्रमि.क डिजिटल क्षमता निर्माण

- अंतर-संस्थागत सहयोग और संसाधन साझाकरण

: डॉ प्रवीण पांडे

विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग

राजकीय महाविद्यालय, पाटी

दिनांक: जून 2022